

मल्ललनासयावज ॥३॥ सयनतद्विनविदु नदन मल छि या नया न
 खदा मनयाउरितन मद्रि भवगति, स्पद्र न्य क ननाय ॥ ५॥
 विविल कया ला मिलन जित नाग क मान पडा विदु नमागा ॥ ६॥
 विविदु त वा स विवे क दया व ॥ ७॥ ॥ ययम यगा ना का नि के व दि ॥
 यद्र नउ धन मद्र गति विना न या हल ॥ ८॥ ॥ वे न न या स न न न निल मा ॥
 ल या धा द विम न के ल न मल ॥ य न न या द न ॥ ९॥ गजन नित्य क न
 क न नित्य न ॥ १०॥ ॥ त लि क न ना न न ह ग वे ना न क वान ल हि न न वा न
 ॥ तया अ ह या वि म ह ग ना नि नि या द न गति व उ धन ॥ ११॥

मल्ललनासयावज

५५७

[illegible]

तिक नव सहस्र दल साय ॥१॥ अ नन्द गद्यु त मन कय हाव, नृप हय गिन्दु मल
मन गुलि गाव ॥२॥ ॥ वे हा ग वा ॥ र वा ॥ उ ध वू वि डा जि ना, हि न उ य द स ॥ ५ ॥ अ
स या स न ह गु न गु लि ता लू मा नं जि न, म ल न य आ यि डा वि द स ॥१॥ ल स ति अ व च न ह्ना,
स न्ग न स ति न य आ स, वि स ह न अ ग या स द स ॥२॥ मु नि अ स नान, थ नि जि गु वि द
व य आ स, द न वू द्ध ध यि ल अ श स ॥३॥ क क म्मा य थू लि म ति, ह ग नि न ना य ग नि, य द जि न
का दू श या द स ॥४॥ ॥ म कि न न ॥ य ॥ मा यि हि मा गालि वा न ख क न्या, ज ग ठ न नि कृ
पा क नू ह, हा ॥ ५ ॥ ग ह वि नू ज ख न, ह न न हि ष्ठ ह, क य ल ह ना य वू अ सा ह ॥१॥ गि न ल
अ व न थ म, ल न नू अ ना न, ह न स न न स क उ ध न ॥२॥ गि ह व न उ य न न, क य ल ह वा नी,
क नू व नू ल न स या य ॥३॥ अ ग न यु का स न, दि न य गि ह सा, य न ह द ह म ना आ सा ॥४॥ ५५० ॥

तिक नव सहस्रदल साय ॥१॥ अनन्दरुग्म द्युतमन कयल व, नृपहय निन्दुमल
मन गुलि गाव ॥२॥ ॥ वेहाग वा ॥ रवा ॥ उधव विडा जिना, हिन उय देस ॥ ५॥ अ
सया सन हे गुन गुलिना लमाने जिन, महन या मायि अवि देस ॥१॥ लसति अवचन झा,
सुन गन सति नया स, विरह न गगया स देस ॥२॥ मुनि अस नान, धनि जिगु निद
षया या स, दत दू दू धयिल अशास ॥३॥ लाक कया धुलि मति, हग निन नाय गनि, यद जिग
का दू इया देस ॥४॥ ॥ मकि नन ॥ ५॥ मायि हि मागालि वा नख कन्या, जगठन नि कृ
पाक नू हे, हा ॥ ५॥ गा हे विनू जखने, रु नन हिं ध हे, कयल ह नाय वू अ सा हे ॥१॥ गिन ल
अच न थ म, लन नू अना न, रु न लन न ल क उ ध न ॥२॥ गिर वन उय नन, कयल ह वानी,
क नू व नू ल न सया य ॥३॥ उम न यु का सन, दिन य गिर सा, पू न ह दे ह म ना आ सा ॥४॥ ५॥ ०॥

वसन्त॥ न घना॥ धलिकूजादाववनजउडादावकाद्रुइखादावसायावचादाउक्
 इयारवादानसनदादासस्मिन्मदावन्नथनकदा॥ ५॥ याममाहाकस्वानयात्वा
 ककारवान्नातिबलाकनदननाकउजवजात्रभजथकसायममाक॥ १॥ म
 निकमानेकाहन्नयानन्नयनिहालन्ननिमजालरगविवरयातनानककालन्नः
 मिलवालवानगपान॥ २॥ कल्लिमयवसतुनायउनिउवायहाकसुपायः
 नदयाकायगथिदद्यायहायहायजनहुहाय॥ ३॥ जवंसमानसायानवानक
 सषावानअसयासावनवसपयानन्ननिहिदानथनवान्नानिनिदान॥ ४॥ मि
 खावावावलनिकहावहावसायामवावजआनहावपुल्लवन्नवमदनगंगध

नक्षत्र ॥ ५ ॥

॥ माहात्म्यम् ॥ गाढ नृपमा ॥ मालम् ॥ ५ ॥ लोकसुखि मधनास

कयियगगनवादिनी, वालरावहास्यभादनस्य नृत्य कलिकाचिनि ॥ ५ ॥ मर्म
मं, था गिन, उं गिन, नं गि, थयि, यथयि, थ, विजयलक्ष्मि नृपिणी, कालत्रस्रनः
सुनमानि, नृ नृ नृ नृ नृ थ, दृग, नादृग, थे, थे, थे, नृत्य कलयसिह वाहिनी ॥ १ ॥
टे नृ टे नृ टे नृ, धिमि कि, धिमि कि, युक् न, विकट, संकट, सह न, सुनमृ नि, नलः
गद्यया, उद्यनहनयहयनी, नृ, उं, उं, उं, उं, मर्म, कृति, सकलविद्यनवा
नालिनी ॥ २ ॥

॥ कल्याण ॥ यतिमां ॥ निलगुन, सगुण, निनिद्र, गुण, मनिमयः

हृत्तद्युत, यानकनन ॥ १ ॥ माहादेव, दवादिदवा ॥ ५ ॥ अस्त्रनृ, जगनवदन

गवनः

गाहहिनिर्नजन, आवजनर्नजन ॥२॥ कनिजननजय, अनगगनहिमिलि, नहिसः
वहागग, गाहहियनुनावन ॥३॥ नृयजगतानि, जानिकलग्नवन, गाहीछाविदो
लन, केवनसुलन ॥४॥ ॥ वा ॥ कउनवनुनयनि, नामकेअगना
ग्नानविद्वानागवयनाग ॥५॥ नकलखयन, सवालखनानि, त्यक्रिनावनद्यनदिमा
नहिवागि ॥१॥ चंडसुत्रज, जाकेकनकलखयि, वसंनसुंदनजाकेकयलाधयि
॥२॥ तिनितुवनका, जाथकलाभि, तिनितुवनवनविपनिगमायि ॥३॥ कहयकवि
नसुनलनायि, जाआयाधनहयनकायि ॥४॥ ॥ गीनिनाग ॥५॥ लविकूलउ
यजल, नहिभवननयनि, नानदवनृयजने, गगदव, सुगनल, सिरुदवह

यनामसिंहदववृजज्ञान॥१॥नक्रिकनदनथिकरुवसिंहदवयनकलः
मसिंहदवनायतयनिहनिहिनैयालआपलनहिवलालसिंहकरनकाय॥२॥
दवमलनागमलत्रयकमलवेदेजयल्लिमलकलथानसुसुनजकमलनाय
मलसुदनरवनमलवठवीन॥३॥नकलकुमानथिकप्रागमलववविषमल
विषवरवान्तेलाकमलनृपनृटनाथसमजगज्ञानिगुणकवरवान्॥४॥ननम
मलदवधनममननिनुकनज्ञागुलनहिरुयआननज्ञासुननृपलवेजग
नयुकासमलपुनृजयजिनामिठजान॥५॥गिरवनयिनितजकिजसत्रकः
सकलरुयनिमलनृपनाजधननिकजहमलपुजयनियानयाकग्राजयनध

[illegible]

॥ **विहस** ॥ ७ ॥ सा ज्वाल इमि सा या ग थि द ह वान ॥ **क** ॥ चंदु माव तु न ह म
इ व मि म न ह यान क्रि न क्रि थ द क्रि ना म ह न य ला सि क थ म म द ग द ल ह न म
क्रा स गिला हि ला या नि ना म ॥ १ ॥ य न ला ना या व द न न्नु थ न ह मि हि नि न न्नु स न
म द ना या न हान थ व ह सि य नि स न रु या थ व ध ना या ना थ व थ व च नु ना थि र वा न
॥ २ ॥ इ ह न ना हानि न न ना या व ह म न ह ल चि न न्नु नि उ ना ल गु ला रु ला र व थ स न
म ना ल अ न सि न ल च्छि क्रि थ स न ला मा ह काल ॥ ३ ॥ न नि या य नि अ य नि जि ना मि ठ
या वि न मि नि न नि न द ह्य अ इ य नि न ल अ या क यि नि नि इ या व द या म् व ति च्छि
वि ना न म द अ या ग नि ॥ ४ ॥ **नाग काना** ॥ ४ ॥ छि गु न नू ग ल ह का ग व मू न मा

लनमकविनरुयावाल्वन्दुस्यसन्नचिन्मकवलयायमदलयाल॥१॥ज
ननयसूनलयसूनयन्यलागावनिवियानविहोलदअकविधिअगिथककय
वालअलेयुवावुविहोल॥२॥हवहगनिनयसुनयदनायहमययकुझानवीनस
वेलागसहसखववझानतिरुधयायाकधन॥३॥मिनामरुवालअसूनसुलन
लमरुनकिंननजोगाभाधिवालनवेनालहगनगंधववीद्याधलनि॥४॥
आक्रानकावकावदथसकनयलभवसवनपावनानयनक्रानचक्राशस्र
गनवन्दुशलायक्रायाअगुकाय॥५॥ ॥धनागुनाग॥६॥किजानवदोअयः
मानजगनसकिजानवादा॥७॥विपनिहयादागुननूगलमदादजमदस

अहं न व धा द ॥ १ ॥ ॐ काल ग स, अन जी अ वि स्य द, मुख हा ॥ १ ॥ ॐ द ख गा द ॥ २ ॥ ॥
थ व ल क्रि क्रि स व स न म वा क, न द ॥ १ ॥ विल इ स ल्या क ॥ ३ ॥ न न इ स स वा या दा अ
क्रा कि जा ना य ना का न म ग ल ॐ अ स य ॥ ४ ॥ पु का स म ल इ या, द वि इ का ध्या न।
चंद्र स्य ख ल स ह वि यान ॥ ५ ॥ ॥ ना ग माल ॥ ६ ॥ ॥ ख ॥ ॥ अ य वा ग ख लि न, अ य व
ग ख नि, अ ग न ॥ ७ ॥ ॥ लि, द व द या द य का व न, ॥ ८ ॥ अ य वा ग ख नी ह ॥ ९ ॥ ॥ न म स न
स न रु वा नि, रु न न रु गु न रु न रु न का व ल, जी नि नि नि नि नि न खा द चा द रु द दि नि।
नि नि न स न का व न ॥ १ ॥ ॥ ह न न न न न न रु न ॥ १ ॥ अ गु र र र र र र न, वि व द लि दा व ल
आ न ल ल न रु स, ख ल न ख न वा स, ॥ २ ॥ न्य क ॥ ३ ॥ सु न थ या व न ॥ ४ ॥ ॥ इ र ल ल न ग

[illegible]

गिराद, खान सा स आनद इव, का धू दू धू सि स दू स न ख ल खान वू थ, सा पालः
रुमन समरु व॥ २॥ सु दु निया न् ग न स सा यतु म हं व ल, उ ग न मा ह ल य सा या
न, थ थि द य दाल थ, ना स न मा रु या न, थ नि नि, थ म द न स या न॥ ३॥ उ ग न च न नः
अल गु ली न ना यिका या, गु ल ना यी का या रु द अ व, कि न स वा द स दे वी दू क स लः
न म न, अ स व स ग न रु व॥ ४॥ ॥ ल ग व ल उ ॥ र व ॥ ना ना य न इ गु या सि स ल स
न वि श्र क॥ ५॥ कि कि च्छि या सा गा उ न ज्ज नि न रुं दु ल खाल, ग ल अ क्ख स्य न या गु
ल सि या मा ल पु रु श॥ ६॥ सिल स म गु क म नि ना ग या द्वा स पालि, उ अ न च कु जा स ख
अ न स ख न पु स पु रु श॥ ७॥ ल क द्वा वि न नि ख द या द य मा ल पु रु दा दा द ल स ख

१४
आयनिमहं श्यलिकमानि विष्णुविवालाहिं उायनि, कालिमाहात आह रानिह
दविदकाकन जिच्छुआ निक्कस ॥ १ ॥ निवनरुवनरुन च्छिवि नानजिमइला भव
गनि वियमन कदिन वियनिह दविदकाकन जिच्छुआ निक्कस ॥ २ ॥ जिवहनस
वायाय गथरुयिवथि थस विधि अग्नि, वालख्यान दून्य विन निह दविदका
कल जिच्छुआ लिक्कस ॥ ३ ॥ न नटय नागदा रु, अय ना परद्रुणि हाठ पानया व
लन जिन सया छिउ वनरु दविदकाकन जिच्छुआ लिक्कस ॥ ४ ॥ विधिल छिमिया
प्रल्लन जीनल लपटी वल्लमला, असनयायिव थ विवाल, रु दवी इका कल जि
च्छुआ लिक्कस ॥ ५ ॥ ॥ वसक ॥ ६ ॥ वं पाखा न्याउ न वानल, शला गिलियल वन, मः
षकृन्मोस रुय अमियु नला कला ॥ ७ ॥ ॥ वस विक्क रुया लय ॥ ८ ॥ यल वखा लायन सल

५५
देज नरुया वल्लयलिया जनि नरु. ठिठु वल्लयिक ॥२॥ ग न द या म्मा या वा ल्ल रुगु न धे ना व
ल्ल ल न नु हा य म म क का क रु या ल्ल य ॥३॥ न न ना क य नि ह न ल दे व पु शा या क ल्ल ल क
मृ दं गं थ ल्ल दे व न द ना व ॥४॥ हा क म्मा गु ल रु म न ल दे व ल्य वा या क छि या नि न पा
या का स वि व जि ना वा त ॥५॥ ॥ दे व वा या ॥ मा ल गु ॥ ल वि ह स ॥ ज न द क नि न ल
लि न न्र प वे नि व र्ग ख छि नि ह वा रु न क लि न क ल्ल ग न्र उ पृ वृ ग मि नि ॥६॥ क म ल न
य न द द य य म्म म न्द र च नि ला पु व द वृ ज म रु वृ द म ग ला व ग हि नी ॥७॥ ख रू न न
य न व द न च न ल म्म क ठ छि ना क न्द वृ द क लि न द न अध न लान ल्ल लि ला ॥८॥
वि ठु व रू न न्र वि न म ध वा न्न ह स न का नि नि न रु स द न हि नि र्ज ना य व छि ना
॥९॥

१६

॥ सर्वदा वल्लहि देवि मातृ ग्निवदि नं देहि रसनन मातृ तय नातृ लवि नं ॥ २ ॥
 ॥ मातृ ग्नि ॥ ॥ हस्तवाहिनि देवि मंगुनि यत्र मंह ग्धलि वालन वद क जान ॥ १ ॥ का
 मानि कामल नन उचिल विल वेष्णु विविल धनि नन गुनि माला ॥ २ ॥ नासिक वदन
 गुण महि खवा हान वज धलनि हल मन कमलान ॥ ३ ॥ यत्र न गमिनि वधू देह वन
 दान सिंह वाहिनि देवि सिद्धि निद्धि धन ॥ ४ ॥ जगन युका हन हम देवि दास
 चंड सेखल सिंह देह भालि पास ॥ ५ ॥ ॥ नागन वनाउ ॥ २६ ॥ ॥ कालि कलालि
 मल मेच्छि गुलिकास ॥ ६ ॥ डिगादि मिनि मून नून देव दल कलाका कलन बाढ व
 ल थल सन भला स्यहि रुता ॥ १ ॥ कदन नल कोखाल आनन वास जाग थन ॥ लस्यन

लखल गकलनि, देवमूनि यना विलवल ॥२॥ केसन न वेसदं रुहालन मून निरु
यकन ॥ तेन वहिखन नक्षी लनि, पुय कानिल विसमान ॥३॥ कमन सिंह नाल व
भवना गयुन आसनि ॥ झालनृयनि, नलजिन, भवमइ आसा जननि ॥४॥
॥धना ॥५॥ न ॥ हे कालिमाना, छन थालकू झागि आसा, भवमइ द्विवि नान आसा ॥५॥ मू
लुमाल कारवा सखल गयागु आस, धूके गुलि आसला अविया निसा ॥६॥ पुन शलद्वि
लासा, जागि लीगन यासा, रुन वेनान या द्वि केनु आसा ॥७॥ श्रीन वाहाइ लझाल द्विग
लि आस, निरुने सवक यासन लया वास ॥८॥ ॥यह निया ॥९॥ स्वअयासा गधि
दमिजन ॥१०॥ वन सर्व सुनियू सवि आकन सन, वायाथ पिबान डावावलक वः

तन ॥ १ ॥ उमनाया निलसुखदायाकायनजया अजिमिसामन ज्ञासु अनयन ॥ २ ॥
कंदवसिमायाको सुकिनेका अनसनसनसनवानमिखायाल अन ॥ ३ ॥ कृष्णकका
कशयाके ववचन केनकल केसकला अनेगकनन ॥ ४ ॥ यिनिरियायासन पडाअ
जियन ललिकनेन लाछालसयाल अन ॥ ५ ॥ कसकदलिमकु कशसुमदान म
नमनरुयमलमान अमिजन ॥ ६ ॥ नागनसा धजयाविननि नकुने मनोलथयूनया
अग्ग्यालपुहन ॥ ७ ॥ ॥ नागमाल ॥ ८ ॥ जयिनेकसुननिनगावय केवल लाम
नाम जयिनेकलाम ॥ ९ ॥ यानिहाययदाकियाहनखसिखे अ केवनाय सासाहेव केस
विभनेहामनूखजनमननयाय ॥ १० ॥ नमनमकि यानि आया अथावनाय हिनः

ना के सजन मानिया हा, यह नाद उवा न जाय ॥ २ ॥ ल काम ना, ना अनम थ ना मा ला का हा
विल, गो सा धून का, नि न्दा क न य, ना को हा य निर्वर्ण के वा ॥ ३ ॥ वि न सा म ह, ल उ थ यिया
उ य ल छा या कू वा य, ना म दे व के य न ला खि नि था, क ल पि ग म जि ग म य ॥ ४ ॥ जि ति ग म
कू नि स सा न, भ उ न ना ग ध य कू मा ल, क ने ना व न धा नि ग या ह य, न का के द ल वा न ॥ ५ ॥
व का व का कान ना ह लि रु ग न न के ह न, वि ना वि उ उ य जा यि या ह य, ध ना ह ग न क
रु न ॥ ६ ॥ कृ ति न पू ल, ना म व स ह य, का रि व स क धि, के व ल कू वा के द ला य, ह लि
रु ग न न, के धि न ॥ ७ ॥ हा थ गान नो न ग कि मा, ओ के थ दि या स नी न, ह लि आ ला दा नि
दि या, न हा उ व न दा ष क विल ॥ ८ ॥

॥ ना ग ना ल ॥ २ ॥ आ दा न स रि व जि न, न द

५५ वेक मा ल न ॥ १ ॥ म द न म न मि, ग ज, श श मु मि, ह द न श मि न सा ह न न ॥ य न य स म
र ज मि, ना क स सा यान न ॥ ॥ ॥ क न क क क ल मा टि म मि म य, क ह ह व द, ल स यान न,
मि व म द अ मि, कि क वि वा ल या हान न ॥ ॥ ॥ र द्वा ल ल मि दु ल न म न य ल ह न, मि र्वा
न सा यि ज द्र ल न क, म न म न ग ल य जि न, म न स न यान न ॥ ॥ ॥ क क क य य मि, वि
व ल न म ग मि, म द न थ ज, ज वि नान न, ला य ज य, स रि त जि न ल ग मि य हान न ॥ ॥ ॥
॥ ना ग ॥ ॥ ॥ अ य ग न ना य क, म म ल दाय क, ल क, ल क्ति, उ न क न ग व र्वा ल
॥ ५२ ॥ ज ग म ग ज, दि क द न किं वा मि, ज य धु निं क ल च ज ल द ला य ॥ १ ॥ ना ल तं वी न
मृ द ग व जा य, ग ज य ज ल ति, द म ति द र वा ज य ॥ ॥ ॥ तु ध्वा वि धु धि व अ ह ग न

यमि नुमि शानि कल नवत वधाय ॥ २ ॥ नृय गिन वान इ धा वि अ म हा हा इ ।
गहिलि ना डं ति ल के व ले दान ॥ ३ ॥ नाग ॥ वास ॥ स क न प स्र य म म म मा ध
म ह्य ॥ नै वा ग म ति ह न पि या वि तु वा ज ह दि य ता ह वि ला न्य ॥ ४ ॥ अ दि क स्य ॥
ल क स त्रि ध ला अ ॥ न क ल त ज न का यः ॥ श्री ह म्य ॥ च ल का रु ॥ च ल क स्य य ॥
व ॥ ली स द या य ॥ १ ॥ रं द ॥ च ल मा हा दे वः ॥ ध न्य ॥ च ल वि क ॥ च लः ॥ द्रु ॥ च ल सी कि वि
ध का यः ॥ ला ॥ च ल नी ॥ सं ज न ग फ ॥ च ल ति न्य ॥ च लः ॥ वं ष ॥ च ला ना म्य ॥ च ल ला स्य ॥ २ ॥
का न्य ॥ च ल नै ता रं हः ॥ ६ ॥ च ल उ ता न्य ॥ च लः ॥ ल्हा पा न्य ॥ च लः ॥ वं य क ॥ च लः ॥ न्य ता ॥ च ल
नी द क ॥ च लः ॥ ग व क ॥ च लः ॥ पं द क ॥ च लः ॥ क स्य ॥ च ल ॥ अ हि स्य ॥ च ल ॥ ३ ॥ हं सं य ॥ च ल

वृक्षे ध्वलः क्वंदे ध्वलः सततद्रुः रुलकाग ध्वलः मनिर्वृन्दे ध्वलः आग्य ध्वलः आगतिप्रथना
नायन ०० ध्वलः आतिर्लिंगध ध्वलीसिवहाय ॥ ६ ॥ नत्तर्वृन्दे ध्वलरुलः वाग ध्वलमा
हानद्रुः किन्य ध्वलवाल्मी ध्वलः रुन्मन्काविला रुद्रः तमा सातिप्रथानिप्रथः ध्वनकलत
मृतिविन्य ॥ ७ ॥ मंगल्य ध्वलविमल्य ध्वलः नृनं त्य ध्वलविध्वन्यः ध्वमर्लीग ध्वलसि
वसात्यः गवहला त्य ध्वलीसिवः रुग्य ध्वलस्य कलः कृषित्य ध्वलीर्लीग्य ध्वल ॥ ८ ॥
सिध ध्वलमाका देवगमला क ध्वलः सतिद्रुप्रथः वंदनरुला त्य सहिन्यः जक्रु ध्वलः कीद
क ध्वलः धर्म ध्वलः धर्मिप्रथः लम कलन्य ध्वलीर्लीगथिल्य ॥ ९ ॥ काटीर्लीग्य ध्वलरु
लवान्य ध्वलः स्थान्य ध्वलः पलवत्य ध्वलः जल्य ध्वलः देवगम्य ध्वलः कलात्य ध्वलः रु

लंविप्रथः हवन्वत्तलसिवहावय ॥ ६ ॥ इद्रागम्यत्तलदत्र जंहीदयचनुसिद्रिमा
कंशः यरुसा लद्रिधः यस्यति आत्तद्रिधद्रुत जनयति याल करुय श्रीलनवा हा
इलः संकलययति मधमनाथ ॥ ७ ॥ ॥ राग ॥ अथिलथसलिलद्रु
यनिदानसयाय पलउयकाल ॥ ८ ॥ अतिहवषन दाहाडा नसन थडा
रुनका वा हाडाः डान्यउमानसवान्यक्रताडा अनाः आन्यगत्वानसयाडा
॥ अतीन अति कर नाउयति शयाडामनसदिल्लाडाः कायाडा हत्यलिनद
का थडा रुते डा हाडा थमयाकातन ॥ ९ ॥ अतिनतडा विनः इत्यवाहव लीह
न अतिनसलिललगहाडा वालषगर्ह नरीयतया वधनः ग्रानमीनथवाह

॥ ३ ॥ दक्षलिललया. ताया अनिलाहिलाः पाया उतिसिमाया वासः उा हा उाः उा पा
थास कि या अर्षलया सः हा गविलाथ उा मांस ॥ ४ ॥ जलमजलमया कक्षधर्म
इया असगत नाम झा क झा या धूलि रूत कि या पमूलिः वि हून्य स तनः
छि पालि ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ सगविभास ॥ प्र ॥ जगत यति पा लया ॥ जगत रो कया
त्राहि त्राहि जुया मयेन जिउ तायाः ॥ श्रीदेवि महं माई तै रो के याई स्वरि भय तुहा
दाजि जुया हे माई ॥ १ ॥ दलहि यारो यन यन यो यरानः सह या य गये जिनः बोया या स
वदन प्रियि विवि कं यमान जुल यो हा हा का लया हा उा हे माई ॥ २ ॥ श्री राजा राजिंद्रया
के जल तनम मा ज मा हा भई रव हे माई ॥ ॥ रागवसत्र रिनु ॥ ॥ नामं काय आ व य नि

वागमतिरानि ॥ १ ॥ वसंतयासमये स. वागमति तीरस. मरुतो हर मन उमास ॥ को
किलयासोरथिकं अनेगत्वा न होवः सेतु स्वयमनसम ॥ का ॥ १ ॥ नृपति श्रीगी
वांता जुधः विक्रमसाहू ॥ नरपति सुधदेव ॥ ज्ञानि जननीनि आसा वल्लया चरणा को
स. वारं रविवीजितावास ॥ २ ॥ राग नृ ॥ आहा देला सा दे स्था ॥
राग ॥ महे मापुलानचला ल. तुलसिमहि मायुरानचलात ॥ १ ॥ पुरुवसगत्र
रिनः सिवका मा नाः तुलसिपिनानलातमहे स्वपरान ॥ १ ॥ सितानतुलसिला
रामवहोनेताः रामनतुलसिपिला रावनधयता ॥ २ ॥ गोपिनिनजमुनासतु
लसिपिलाः पुत्रुलि फलनलातः गोपालवभाव ॥ ३ ॥ तुलसि आषल्लगोल

सगोलवोडाः वक्राजनवयकुंथयनिवनिदान॥ ४॥ अनुलसिकेसफोडाजोग
 निविनेः ॥ क्राकक्रयामनोरथफलैजयकावनुलसिमहेभापुरानचलाल॥ ५॥ सुभ्य
 पदुजियारो॥ ॥ पराले॥ प्रत्यययोविर्जलेष्टनकानसिंवेदं विहितवहित्वची
 त्रमखेद॥ १॥ केसवैष्टमीनलिललं जयजगदिभरुरे॥ प्र॥ ~~निरतिविपरतरे~~ निरतिविपरतरे
 तवतिष्ठतिपुष्पधरनिधरनकिनचक्रगारिष्ठ॥ २॥ केसव
 धृतकक्षपरुषं जयजगलिसरुरे॥ प्र॥ वसतिनू नननिखरे धरनीतवलगाः
 ननिनिकलंककवतिमग्ना॥ ३॥ कनवधृतभूकररुषं जयजगदिभरुरे॥
 प्र॥ नवकनकमलवनः नखमहूतभृगः दलितहि नव्वकसिपूतनूहगं॥ ४॥

कसवधुतननरुति रूपं जयजगदिसहन ॥ ५॥ कलरयसि विक्रमन वलि मह
न का मन घदनरव नीन जनि न जन पावन ॥ ६ ॥ कसं वधुत वामन रूपं जयज
गदिसहन ॥ ७ ॥ क्षुति यनु धिनमयः जगदयगत पायः स्वयं सियसि अमित
हवताया ॥ ८ ॥ कसवधुत हगुपति रूपं जयजगदिसहन ॥ ९ ॥ वितन सिदि
कन हवि कति कमनीयं दल मूरव मोलि वलि न मनीयं ॥ १० ॥ कजीवधुत न रूप
ति रूपं जयजगदिसहन ॥ ११ ॥ रागमाल श्री ॥ वो ॥ जयति ज
यर संव सा लय राजिता नृपद वृजा ॥ १२ ॥ अश्वरः सूरवरः हार रस दू
र अहता सूरमारिनि ॥ निरति कति कतिः हसति चारति संकति तिरति

कोपिनि ॥ १ ॥ मत्स्यकलो व अतिभिदा व अजगूति जननिर्विषं भा व म्प स्वरि
गलसमून्नुमा ल दू स स क द ल हे ल प्रानि क या व स रि ॥ २ ॥ ज व न वि व क या ता
ति वि र्म म कं चि ता ता मून्नु जा ॥ ज यं ति रू ग ति द र्श ने ग न जी ति भि म भ र्म र व न दि नि ॥ ३ ॥
भू प ज ग ज य ह स लि ल याः म म स भ व दे व दे वि र स त जू धि न्न वि र स हिः त्रि सू व द स र व
रा ग भिं प रा स ॥ ॥ गं गे तु म मा ता म हे ॥ दे वि हे त्री भु व न लो क उ र्ध वा रि ॥ भा गी
र था त त वा र न सि पु र वि श्व ना था वि रा जेः स क ल लो क के या प कु ता व लः द रि
द्रु ष स र्व ना सि ॥ १ ॥ वे नि मा ध व का ल भ र्म र वः वि स्व ना था वि रा जे ॥ जी न र
का सि के त्र नि वा सिः स न र व य कुं थ वा सि ॥ २ ॥ गं गा ज ल अ तिः नि र्म ल सं त न

सुप्रसन्नो जय राजनेत्रम्

25
को गति दे निः दास तु मा रि चरन यु कारि चरन सरन गति हरि ॥ ३ ॥ शुभम् ॥
राग ॥ निगुन ॥ करुत प्रह्लाद गि ता सो जिः मै तो रा म अ धारे ॥ धर्म ॥ अ गर व गतु म का
य पा वैः मै त प ये हर ना म ॥ विनु हरि भजन सोः मुमु त हो ईः कौ से वि वै सं सा रां ॥
॥ १ ॥ वैष प धि य धि प दि था केः क हि न य सो जा न ॥ स व ल लि क न सोः फे र न भु
ला यः ता ल मृ दं ग व जा व य ॥ २ ॥ अ से व चैः शु निः हर ना म कु स कोः पे वा धे व
वा ल गा ई ॥ र्ष ग लि य प्र भु हर ना म कु स कोः ये का हा च ता वै ते रे रा म ॥ ३ ॥ अ
ध म पि ताः तु म क्पा स मु श्रा वैः ज ल थ ल व्या पि त रा मः तो हि मोः मो हि मो ष
र्ग षं वा मोः घ त घ त व्या पि त रा म ॥ ४ ॥ पु ग त भ य प्र भु षं वा फो रे हे र ना म

॥ श्री रज ॥ ५ ॥ शुभम् ॥

ध

कुसुमविचारेः सुरदाप्रभुतिहारिदरसकोः श्रु रके रामसहाय ॥ ५ ॥ शुभ्र ॥
रागकल्याण ॥ ख ॥ केवलपदलायतुलसिः विनानमेवहाय ॥ कुदिफुनकेया
ताः तुलसियाभावयायः तनमनकेवलनः तुलसियाथाय ॥ १ ॥ तुलसिस
लषरुयः गगाजलसिलसहाय ॥ हासयागुचानरतिर्य अनायापत्राय ॥ २ ॥
धनमदुजनसयाः तुलसिवासेवायाय ॥ गतिविपतिनः मेवगनावलाय ॥
३ ॥ दुषयातुलः वासेतातुतादागथेफिर्य ॥ तुलसिविनानगनावालाय
॥ ४ ॥ शुभ्र ॥ ॥ राग ॥ ॥ ॥ हेमालयागवरिनः तुलसिपियाव ॥ माहादेव
स्वामिलायः शुशुलिप्रभावन ॥ ॥ ॥ हरिजुनः तुलसियामहिमानयाव ॥ ॥

जमुनायातिरसः गोपिमु^{नि}डाव ॥ तुलसिया भावयादा कृष्ण स्वामि ला य ॥ २ ॥
गंगाजुयाकिनारासः गंधर्वमुडाव ॥ तुलसियाः भगतिनमेन सपुरे यावः
॥ ३ ॥ सिंधु मुनिः गनपति स्यनः तुलसी स्वयाव ॥ तुरंत नलायदवः तथै वन आय
॥ ४ ॥ शुभम् ॥ ॥ राग ॥ प्र ॥ तुलसिया भावनाः वृथा दुनेः ने ढयासाः व विना
नमदुमेव सार ॥ ध्रु ॥ थीरमदुचित मनः केवल गोविंदः तुलसिया भा
वयादावः यने मदुके वुधनः तोलतिवः माया कालः जुगुतिन पापकाय स
व ॥ १ ॥ पापकर मया यः मनुषेया जुलोहितः तुलसिया नामः प्रकावः पुल
ल पा मोहः लोभ परधन काय तोहः जर्म लोक बानी वमताया ॥ २ ॥ या

[illegible]

२५॥ ३ गोम ८॥

३२

वर

कङ्कयाञ्जनाथयाश्रसाष्टिवापिनाचडाङ्कतलडाडा॥ ३॥
एवहप्रिया॥ ल॥ स्वडायासागधिदमिजन॥ ५॥ वनसवसूत्रियूषेविष्काकनस
नः वायाथविवाडाडांलाकवलन॥ जमूनायागिनसजस्वदायाकायः जया
डाजिमिसामनशाभजनयन॥ कदेवसिमायाकासकिनकाडाचानः सनस
नहनवानमिखायालाडान॥ ककैतककाङ्कशयाकलीवचनः कनकलकस
कलाञ्जनगकलन॥ यिप्रितियायासनयडाडाजियनः लसिकलजनलाडानस
यालाडान्॥ कसकुद्यनिमकुडसत्रूमडानः मननमरुयामत्रूमनडामिजन
॥ नागनासाधडायाविननिनकूतः मनात्रययूत्रयाडाग्वयात्रयहन॥ ४॥

मालवना ॥ १॥ वे नृवाडा नवनि लाडान हेलः कतकत हयगिहमि
 वं जि। गल ॥ हव भव विवि विनि मालसिव नृक गनि ॥ २॥ विक्रम
 हाज झडा लवद वीलः इ धि लीन अदि नृय नहि थान ॥ लालचलागि
 अवे धलम वे हायः ह वे पालिदि नदू का लन कयत कमान ॥ ३॥ स
 वे लाजा कलथि गुमान ह वयलि नाम केडा नहि ज्ञान ॥ स्रदु सनल अवः
 सहि पलिनीतीः नृय अग जगिह न ॥ ४॥ विवि विनि ॥ ॥ कालावा ॥ अ
 थद सह जल म्र संयुत म हि रवा स्रज जिल रवंदि धीद सह सा अथ दलद
 ह म अ साही तव दि ॥ जय जय सल नवल नह वानि ॥ ५॥ अ धिन पात हि
 ॥ सिव क विनि ॥

२सि वं कयि नि गि ३

विकसितावन श्रुतन सव मुखला गहं उमपुठि मिठिमिसवद सनि
 कद्रु श्रुतम नहय लग ॥ कन कम निमय श्रुतुष न मरुया गिनिस
 गहं सिहवा हि नि समन विगयी नि कलय वद्र विधन ॥ विष्णु वास
 वस्र विधना श्रुत नदि गाय निद वह यात्रि कलय गात्र गात्र ननि
 चलन पंकज सेवा ॥ गगिष्ट गमगि नूय गिष्ट गगिष्ट गलन कन नता
 हल हं गल नल श्री पाय भाय नि कन तमा जउ धाल ॥ ॥ विरस ॥ वा ॥
 गनु उ नाना नून कयल निवास द हान पा ल गव कपूल शस ॥ कवन
 नगन रव विग कत हा गि न समं दि ल सा हल विसम को गि ॥ श्रव सला

३६
जगज्जचक्रालय, गल्लगसन गाह गिरवन नाथ ॥ तोहनसत्रयव
मतकानन, शगमनिगमअननहिजन ॥ मृपगगजगिकहह
कुलदेवा, कुलहिककनभवलनकुम्भसवा ॥ ॥ वसन ॥ रव ॥ माध
वरुंगुठरवेनगवसन ॥ ॥ ॥ सहस्रसन्दलिसंगजासविलास, सवर्गया
नितनिवगुआस ॥ गुलालजिवनभवउदतजकास, वृआववलि लाउ
आस ॥ गभवतनचयगिजगतप्रकाश, वन्देअखलसिहकियोआस ॥ ॥
मालधना ॥ ॥ ॥ जवजनमतवअनलनह, आखिनकाउनस ॥ ॥ मध
मनअवदु कानलगन, महिसिवनामअधाल ॥ ॥ ॥ आदियासाअवयावयन

गम्यवदि या सो मीले नृग ॥ वक्रुपलकान्ना तउ पदसि नृ, काउ नन्ना एना
वसि नृ ॥ गिव के नाम नाव कन गहि नृ, हवनदिया वउत नि नृ ॥ नृपउ
गऊ गिसलन दिगवासा, दुलकन समन गवासा ॥ ॥ नदवह नृ, वल
ल ॥ अयहि मालय देवनदि नि, निषिलनल सुलना गवन्ति निहा कागि ववि
ससि वद्वि नृ वि नृ मृ, देह्यखंति निह ॥ ॥ अयस्य नाधिक देवमानि निः
विकेतमृ गवगियुषु गमिनिह, दुषूद नृसुत समानि नि, विवृधना
लिनिह ॥ महेम हिरयासूत्र विदालि नि, सकल हय संहनन कादि निह
समलम ध्यस दादहासि नि, नागयासि नीह ॥ विविधदृष्टकृत पृ ॥ अश

विनिहकानकल्यानकालिनिह, कनहनकाहयगिन्दु कविध्वनिह॥

॥वसंक॥सपलाया॥नकनमलिनमखमालिनिशङ्क, नङालिगुयगि

नवमनसिङ्गलाङ्क, कसकसमवसहमलामयिक, थलानिहलह

पलतवडिडा॥१॥उयविननयनतनङ्गलाधयलमनकनतकत-

लग॥५॥कुककुकनगिलिदलहनदह, यनसनकलमुखयसनव

नरुलमकनमनिताहङ्गिग्रहिलानि, नधननगनमायलरुकुनवि

व॥२॥नममगिनाधनसमगिकङ्क, मगुयगिसमयउविनयकुवा

नि, सुमगिङ्गितामृतमियमितवानी, माधवसमलितिताहहिनयानि॥३॥

॥ मालव ॥ वितथ मतय मरु मणिह कालि त्रि विन नि ॥ ५ ॥ सि धि कानि
ले ग कालि दि ग दि ग कालि, आ गि कालि उ ग कालि अ वू व मि कालि ॥ १ ॥
कालि निल, नील मल कल्या न कालि, कालि पुल य कालि नि धि द्वा त्रि का
ली ॥ २ ॥ स्फु ति कालि सि स्फि सर्व व्या पि कालि, अ वि ना सि कालि महा कालि
लय कालि ॥ ३ ॥ द्वा ना ज मल मणि ग, थ स या व ल न, उ वि ना न म द्म व
वन ल या व ल न ॥ ॥ ध ना ॥ ॥ ॥ ॥ अ वि या ह लि द ल न काम य ह रि व
॥ ५ ॥ य म्ब व ल स द स, स क स न या उ, अ व ता व व न ह यि म्ब यि ॥ १ ॥ म ध
वन कु ल कु ल वाम न श उ य, वि न्द्र ल प ल य न ह रि व ॥ २ ॥ श प न श उ

यची धिन लिखा गय अका गति हयि मूयि ॥३॥ वंद २ अषिया ह्याम ह
दल की डा अरिया जग लुगि ॥४॥ वृंदावान मय क जग लिन मा डा अ
ति नित सत्य था ॥५॥ सुलदास प्रह तुमालि निलस का रवन व धिषन
य न स रिव ॥६॥ ॥ नाम कलि ॥ रव ॥ अ बल द ह मूला लि ह माला ॥७॥ नय क
ल चील क द म व धि वे त्य ह म ऊ ल मा म ड द्या ला ॥८॥ यल हय सा सत न
द द रिव मा हय रिव दि स्वि दि द न मा को गालि ॥९॥ म थ जान गो या का
यिन व सत हय का यिन ला ग म ग म हा लि ॥१०॥ सुलदास स्वामि थ कि त ह ल म
लि नि गु म डि मा मय ह लि ॥११॥ ॥ वना दि ॥१२॥ वन न स या य म

४९
मृगनमन हाहाहा, दलसनविआह लिहलक वना नयाव ॥१॥ हाहाति
सहानहिन निलव धिथमथम, असहनशलाथनिकुम किवरु यक्रम ॥
२॥ नासलिलरासमान, इलथनिरुह वस, पललासरवाठ नखरुथिद
थुमायालस ॥३॥ कमधुत आसन विमावुचा आवाअ, झालाअ यचन
जितथुचिसियाआ ॥४॥ ॥५॥ हिन्दुल जनेमन दालिकोन यिया, चि-
यिकेऊ नममखकाह केठुवेया ॥६॥ दालिकादसवेकं नन्मन, यडाह
निनालायन तुलसियात ॥७॥ वादनवनियासुड सुनाल, उरुमलाकेसवे
थराउ ॥८॥ उथउथनामपलहिन आउ, दडालियेथवेथ आउ ॥९॥ दडा

चकं यउल थल हल नाम देडा काचन दाले रिने ॥ ५॥ वायल दू धनि ह
थ गान नाम देडा नाचय नाम दाल ॥ ६॥ ॥ आसाव नि ॥ ख ॥ न ॥ ७॥
थिद कचलि सगल मइ नाख स थथिद थउ धकया लया दाया दाशगु
तिन न जिता काल ॥ १॥ जन निया दून जिज्ज ना थउ धान ॥ २॥ दिहल
नि ॥ ३॥ मन नर बल पास दधि हृदि सिद्ध तकि थगु लिह बाबडास
यावल न चाय गुगुलि द्वान ॥ ४॥ लखया लक्ष लिथ काथनं ततु तसं
डायायास यगित काडा नित्य नित्य आसा तहं तय लमला कान ॥ ५॥ झाक
झाया पुर नृप गिलन जिता तडासनं यात वि लमलन थम जिता या नृगन स

वियमलपद्यान ॥ १ ॥ धनाश्रमाखालगानताडामनमंदरथानः
लसल्यासयालनिलरुतश्रुता ॥ २ ॥ गयिनाथश्रुतियावि. यलदसडा
नाथमयनवसाजजउगिलाडा ॥ ३ ॥ हकसलिलसययहलमिरकाका
दससकिकित्ययमश्रुतल ॥ ४ ॥ कुरुसवासवास, कदंवसिमायातल
थकाकनृगपयालल ॥ ५ ॥ डाविनानश्रुतिडादसयानाकुकानन, यति
मदलतिडासमान ॥ ६ ॥ सयनसडासलस, पायिनियासलिनन, गथ
मपाना, धपयान ॥ ७ ॥ जगतवंदुनफलगायिनियायितदख, पायितः
रुतकाथयाजत ॥ ८ ॥ जसिकसनिनसि. वृनालिकायाहदन, आका

४२६

[illegible]

ननिगंगम ॥ ४॥ वाहगना ॥ या ॥ सविचाम शया श्रयाम शया, नगनश्रु इक्ष
मायिली ॥ ५॥ ॥ यस्य विमान वेत्यनयनदु न ह गय विष्यनसा य निचका
मनस हितन श्रुक्ष शया, अनकि वा हिल गमर्ग नि ॥ ॥ ॥ यहि नसि द्याना
अ यहिल पिता वल, नामव धवा वा इ नि । श्रगनव अन नायि श्रगम निव
लयि गऊ मा ति वी क य ना आय लि ॥ २॥ नृक नृक द धा दू व न धया, नृक लः
हि सिल ना र्ग नि । नृक नृक सिल द्रु त वि ना डि त, व न ह नाम ग ह श्रा र्ग नि
॥ ३॥ ह न धित ह ल ग व तु ल गु न ह ल खित, ह न धित को स ल्या मा यि नि । नृ न सि
दा स, स ह य म ह न धित, श्रानंद उन स मा यि लि ॥ ४॥ ॥ ॥ य व म ॥ वा ॥ शः

गुलमायिजनकाहलानि॥५॥मातावलवतयलयआरुमजाअलोमाताप
चुआजयगायलिमलकुश्वजा॥१॥मातागिनिहवनतलेगंगवहयमा
ता,नामवलवंदनकाश्वजा॥२॥आजकुप्रकासकनगुहयवाजन,पु
खवलश्रुतलधनकाश्वजा॥३॥दासहवानितेलाअखगडमाता॥
॥४॥॥नामकलि॥हनिहलिगविदयांकुष्माधवलविदयानखम
यश्वयाधि॥५॥कालनकउनआयनगगतजनमाजनमकउनः
रुहवायामाधव॥१॥वाजवांदालकयतवडमा॥नहिलियिनेहमा
लामाधव॥२॥हवजलवलनसलविनामति॥हगतवचनहयाया

माधव॥३॥ कहयकविलहिममगिना कहिसहसगिहायितहमा
नामाधव॥४॥ ॥ जयजयजयवन्दहससाउनि, मगिव
बहगडागिरुनु॥५॥ दानवदलदहादिसपनायल, मयिषासुजसि
वरुनु॥६॥ ययवनलनधुलिरवहुउठियायन, जवदहलनुअ
वका॥७॥ मेदिनिकापय, माहिमृमयय, सहासुनमनसका॥८॥
कतकतकत, कयकडाककठलुझा, गदगदगिबलझिकाव॥९॥ चह
चहचुकयकतडाकरुहलझि, मातलिअगिनिसंग॥१०॥ लभुहाज
हषमकलुकापि, विकतहलनुअदना॥११॥ सोसगिआगिनिमंग

व गगनय, मालल देत्य न नना ॥ १॥ विद्याय वि कवि तु गायद स
उका, मा हि ऊ न् वि स लिय मा ता ॥ ६ ॥ ति नि त व न ऊ ग ता ह थ कः
ना नी, ता ह स नि क ऊ ग मा ता ॥ १० ॥ ॥ सान थ ॥ रवा ॥ नाम नाम व सि, मान
म न ॥ ११ ॥ ग ले का ल ह्या म स द न ल क न सा ऊ न ह सि ॥ १२ ॥ क यि क ह न
॥ १३ ॥ ह यि वा उ नि क यि क ह य क ल न सि ॥ क यि क ह य ॥ ह दि व र
ग लि, क यि क ह य, ना म ल नि ॥ १४ ॥ ऊ ह लि यो नि द वा य प थ व न, न ह
त ल ह ना क सि ॥ स ह य द र व न, स च य लि द्रा ॥ १५ ॥ क सा ह ल सि ॥ १६ ॥ क
न र व ऊ ऊ हा थ नि द्रा, ह ग ति का न न ध सि ॥ दा ॥ मि ना ग ला न ग लि ध

ल, का ति ह य श्रुर्मरुति ॥३॥ ॥ वा ॥ उ, अ पा नि श्रु व दू न श्रु ग न सः
ति ॥ ५॥ ग वि न्द ना म स म ल न क लि के, श्रु वा ॥ अ पा स व न्ध क लि के ॥ १ ॥
ख र्ग म ग य व दू ह ग य कालि, श्रु ल न उ दि ब ह त ल न ना ॥ २ ॥ नि डा
सू ष ल य, ह जि उ ता ह, इ र व श्रु र व का हा न श्रु या ॥ ३ ॥ ग नि ह व न इ र वः
सू ष के दा ता, अ कू र का हा ह न श्रु ना ॥ ४ ॥ इ र व स र ग अ के ह जि उ ता
ह, ग वि न्द ह ग ग ह ना यि ॥ ५ ॥ म म ता व द्दि क नि, ह जि उ ता ह, मु ड्ड म
न म म ड ल ता ॥ ६ ॥ लू र ना थ दा स म नि र ग न र ता, का ह का मा लि म
म ता ॥ ७ ॥ ॥ मा ल ध ना श्रु ॥ ८ ॥ अ क ल ज नि न, किं क ल ह न इ, व क य श्रु नि

नह न ॥ १ ॥ अदि कालि धनं ॥ २ ॥ हाय त तलं कम ना व थ ग ना ॥ ३ ॥ वा
दि प दा स थ नृ कान साल थ ग न अ काल मन हिल ह न स म य वह गा त
ह न क स म ध न् ॥ ४ ॥ रा ख ग प निय नि म नि न ना उ न च ल द्वा नि व क म
स नृ क क ना व ध क स क द्वा य द्वा य न म ॥ ५ ॥ उ य हा ॥ ६ ॥ ह न म अ
म क ह ग त व च्छ ल ॥ ७ ॥ नृ क उ नि अ न नृ क य च न ना गि वा क स न
नृ क वि ग वि द्वा न ॥ ८ ॥ ॥ नाम कालि ॥ रा ॥ जय देव दे वि अ ग
नि द्रा अ गि ल्प अ नाम रिव अ स न स क न स द्या ल क ल द व ग न स
व कि या स वि ॥ ९ ॥ अ ग ग अ वा अ मि क नि अ ह ग अ हि मं तु दाय नि

काविकाव्य, वर्गवर्गवल, दन्तसामितवायनि ॥१॥ सुलससिधलव
रुक्कदलसिंहजनिनिसुलनि, मंदुमालसकंथसाहितशदि कलन
सिखधनि ॥२॥ गत्वत्वह नृपसिंहसंपय, ज्ञानलुपाहजहलि, नाहद
गडनविल्ल धनजनपदमपदपदमस्वनि ॥३॥ ॥ हलवीनगिष्णि
वविनगिहमालारुचिगिवसलनगारुच ॥४॥ गारुचकृयालहदसदि
गयाल, भावकि कहव, गिवगारुचकृयाल ॥५॥ महिमागारुचलह, क
हवकडनलगि, जनमजनम, गिवगारुचलनृकगनि ॥६॥ सुलवकृलग
गिहगवल्लान, शकपृथ्वरुलवृशसवेज्ञान ॥७॥ गिनमदाकिनिः

५९
दंदिगाल, वाद्यकुचगङ्गा नितरवनचाल ॥६॥ निधिसिधिसिदा, गङ्गा
नृत्तान, गाललभास, नृपञ्चगङ्गा नितान ॥७॥ ॥ आसावलि ॥ ॥
मनहृत्तन विसल ॥८॥ वानववना गमा मयस्मा, गोहनहमा मंगना
लि ॥९॥ विधवयोग नृम आस उ पञ्चय, सनवसखाया इवालि ॥१०॥ हृद
यनामनाम, मयन हिवना, देखत वागि उहालि ॥११॥ कहय कविल, स-
वकाहावस्मा, गमना कशायदवालि ॥१२॥ ॥ यहालिया ॥ रवा मरुदगि
मवगानि, छिच्छुका याकानि, थायन कागि कागि, कविनति अगि, मगगि
कहनि, कचनादयावनि, धगुलि सुदिहिल ॥१३॥ वेसल्यास्य अतिस्वग्

याज्ञेव निमद्वाडाड्डिडाउति, नामसिव धृति, नसुलमायति, अयाक्काक-
निकृति, थयसपिजति॥२॥ मतिस्खनिमृति, मगियामगासति, नियस
इलमनि, वेचियाशानिकृति, अयाडागमत्रति, इचाक्क, सुचनिकाचिमृ-
लनिच॥३॥ डिक्काददिगव, डामिक्कवातिवाति, लगहगुति, विडाक्कक्काति
क्कानिल, क्कानवुक्कवति, अयाकाकृतिहृति, यागमसकतिल॥४॥ नय
दक्कथगुति, तजयाविनति, थुगुलिउगुनि, वनकिहगडाति, नकि
वनिनकपति, कडाडासपति, याक्कनमृगुतिल॥५॥ ॥धना॥

॥ रवा ॥ सुदामा मंदित दखि दयाल ॥ १ ॥ तिलिया पथक नव य विरग
गंदल वाधि गया न सुदामा ॥ २ ॥ मन्दल दखि वदत मन हल विजा
हागोय साग सुदामा ॥ ३ ॥ नहि थम हाति नाम ह मल मा प लिया ॥ ४ ॥
व कात वना या सुदामा ॥ ५ ॥ अउल सुदामा मरु वा वैत्य वौड दिस को
उचा दा लाया सुदामा ॥ ६ ॥ सुल दा स प्र ह उमा निदल सका गलि वनी
वाज किया न सुदामा ॥ ७ ॥ ॥ पंच इति ॥ ८ ॥ वसन कंदल काल सस थ
हान वाम कल वन मा नाले मा गिलि वाल ॥ ९ ॥ विषम नयन कुंड वि
स धर्म ह सु गडानि नहि त जग कय न प्र वस ॥ १० ॥ प्रमथ गन कपनी

गजरुनिहाल, तुयगिन्दु हनभाजा, कलहुउधान ॥३॥ ॥विहास॥रवा॥
दविगालिअनुकगगीभाकह ॥५॥निसिदिनवलहलनाशविहावा, क
वृकाचूनन्ददरिवहावा ॥१॥अगहमिदविषददखनहाल, सुलगनमउ
पिञ्जपाल ॥२॥विषिहविहचकसकयनहाल, सवनलूकानमिधन
॥३॥तुयगिन्दुन्दुनियवनविचाल, हयभाजाहचउवाल ॥४॥ ॥
॥वलाउ॥वा॥हेदविसलनचखहवानि ॥५॥मनवचकलमकलन
माहअकिङ्कानितवगुडापदजान ॥हमअगिदिनखिनगुडासउप
जापहनियअन्रवानि ॥१॥अहिनयभाजाअपचधसंहव, मनअनुना

खहयान। अउव० तउअनूअगातसउअ, नयुनलमकयथनि॥
॥२॥ गुआयदकमनहभाभाभालामानसं, अनमअनमनहामाना। हय
गि०रुनु नियनुहोवसमय, अयगालिगायतिनानि॥३॥ ॥मालया
॥४॥ यहजाधउपालन, निमिसिन्नकावन, सउकया, असायान, यनगन
सवदनपिहोउला रुकिथम, हयकचविलादयसन॥५॥ साहेल्यस
विहउना, पिउलिउआनेगाना, थउअउासंकतरवडा, फिनसमश
सउअना, वाद्रसमउस्ययानाथवेलससिहलनअन॥६॥ नलरुना
लुसिनमुगलननियुतिन, तमनहिनाकाथमन, यतधगहगनन

५५

लसद्वा दअगत, नासयागामद् विलज्जन ॥ ३ ॥ पावकुकुददान, न
वसिंहनामन, मनुकूनमखादाग्यानन, वसुदेवात्सगन, नयाचहगजा
लन, वानद्रिनजिनच्चिके ध्यान ॥ ४ ॥ ॥ नामकलि ॥ लविहृषा ॥ पुथममि
न, पलमनिक, वचनमद्यसमान, अगिहिसाहिगहलुविजाड, वदुतवस
वमयहलि, धर्मपुयमिनशादि, तक्रिकपदसववभालिकाश, अथदेव
मनाप्रजयदेवमनाले, पुग्रतश्वमकुशुतागाल ॥ १ ॥ पुग्रतश्वद्विनि
यकुर्मगंगलचहयदेव, कमलदचदि, थिगुववरखाना, वदनसयः
सनदुविधुकुलकवनगाहचहच, उतमचिकुन, हाकसमनश

न॥ जय देव मन्नाल जय देव मन्नाल, प्रगत श्रव कर्म श्रव ताया ॥ १॥
भदिनी धनसूकन ख, वडलह ज साहित कल, सकनह मिकयल
उधल। माथि हि निक खनग श्रु, शंख वक्रह ज हि धन, ताहल यदस
वहित साल ॥ जय देव मन्नाल जय देव मन्नाल ॥ प्रगत श्रव, वा या हा म
वताल ॥ ३॥ विकत मख सलिन वद, दन नृ वि श्रुति निर्मन, ननह नि
दान व कलनास। श्रु धन दल मधु निरूल क नहि नाम न स तुल, ताहः
लवचन शगह मन शास ॥ जय देव मन्नाल, जय देव मन्नाल, प्रगत श्रः
वन पतिह श्रवताल ॥ ४॥ खल व द्विज, वेद हि व मस कल कुल वल हि श्र

न. गम्हिल ह्मन नान देवा. आ व वा म न सा ग न स म क दू न वू ज य न व स त्र य. त्या
मि व लि या ना ल रु न या व ॥ ज य द व मू ना न. ज य द व मू ना न. पु ग न नू व हि दि
ज वा म न नू व ना न ॥ १ ॥ यू त्र ख वि न च तु न ल ज नू द सि दि न हि नि दि य पु नू ना
म ना म ना ह नि धा न. स म ल धि न स ह सा रु न. ख न हि ज म ध न ग न दू. नू द्धि
हा न का ल क द व जा न ॥ ज य द व मू ना न. ज य द व मू ना न. पु ग न नू व पु नू ना म नू
व ना न ॥ ७ ॥ ल यू क वं ष प म म हं स. न थू दू ना ह न गु ल क ल रं व. ना व न मा नि मि
ना या व न हा ल्थ. वा न न ग न ल क य न स क न. न दू न न ज वा न यु त्र व ल. व जि ष म
नि सा ल्थ ॥ ज य द व मू ना न. ज य द व मू ना न. पु ग न नू व ना म च ल नू व ना न ॥ ८ ॥ व

लन रुद्रमी कसम वरुड कं कन जा रुद्र न ध व दूय हि वरुना नाम कुरु न
मदन सन रुद्र न रू सन गह न लये. त्रिलोक गह न तुलन नान ॥ जय देव
मुना जय देव मुना न. युग न न व न रुद्र न हल ध न लये न वना न ॥ २ ॥ धन
म वी ड रु द य शुद्ध धन न. यसा हित कल. सा सन सान स व कुरु न य
का ॥ शु हि वि नु व द न रुद्र न न य न सदि न धन न य न रुद्र न रुद्र ग वी
दु हि न स ॥ जय देव मुना ल जय देव मुना न. युग न न व वी ड रुद्र न य न
॥ ३ ॥ उ रु म धा रुद्र न ध य देव न क न न रुद्र क न य ना न य न रुद्र न न
नल कल कि ना भजा दि म द न वि व क नि। न नि हि का मन व न न चा

ॐ वेङ्गवि न्या ङा. च नृ न वृ जय काम ॥ जय देव म्ना न जय देव म्ना न. पु
गगत्र वे. कलं किञ्च व ता न ॥ १० ॥ कह यि जय नृ प गि व ल, मन्त्र शा ज गत पु का
न. ज्ञ हि ना ख ल व न्दु. ङा ख न वा र्वा. क कि गु न गु ल हि वृ जय स व दू र वः
गु वि नि ज्ञा न व न नि द न वि ध नृ य ग म व ॥ जय देव म्ना न जय देव म्ना
ना व. पु गत ज्ञ व द स ज्ञ व ता न ॥ ११ ॥ ॥ ग्रा न ग ॥ वा ॥ वि धि मू र्ते स क
न वि न गि ह मा ल. स न ह. क नृ ज्ञ व क्ष न ॥ १२ ॥ ज्ञ रि व न ल ल स न कि न्न न
मू नि ग न ल. नृ ति य र क न गु न ग म न. स न ह ॥ १३ ॥ ह ज न य ना य न ज न
ह म्ना य न. स व दू क ज न नि ज्ञ ध न स म ह ॥ १४ ॥ ह ज न म गि हि न श्र ल

सत नूह मेल, यद श ग के न व न धन सून ह ॥३॥ य व न ध न ध य ति
 गि नि ज व ल न ग गि नू ह य गि नु म ल व न ल न सून ह ॥ ४ ॥
 ध मा ग्रा ॥ ५ ॥ क त लि ग म मि ति, म ख व न च नु । सून य नि गि नि सून ग द स
 न क नु ॥ ६ ॥ लं क न का मि नि ॥ ७ ॥ ब्र ध न वि वे रु न द स न या नि । ज न
 वि दू स ल य द छि म का गि ॥ ८ ॥ न वि कू न म न्द न ह य गि नु वा नि । क
 न न क ल ह नि व स व क ज नि ॥ ९ ॥ ॥ व स न्क ॥ यु ॥ स व मि नि धा
 या हा यि, ना म ना म नां, म न जं ज्ञा न ना य ल, स व ना स यं, ना ता जिव वि स
 ना म ॥ १० ॥ वी लं ग त्र ज्ञा वे द व न्म न्म ष, हं क न द म न्म वे ज्ञा वे, स ख स ह स

रु निरुगशुगवाने व विवाये या नाने ॥ १ ॥ पाणिनियुक्तयुक्तयदववायनाम्
दववियकननायुष्टविवायकविशुवायननिगकनयदनवात ॥
१॥ सनहसहसजननानिकवायवाययकुतजहासमृदंगवायनाहि
निदाह्यशुगशुगवाने संगदामृदनदास ॥ ३ ॥ ॥ रव ॥ जननि
यादूने अनाथ उधालू मागिकागनशुनयाश्रवतायस्वागुपित
वनयायानि ॥ १ ॥ दषिने देवाय संवालाहिषकाष्टिगुविश्राकनिमानक
यानाकयाशुनष्टिगुमनसगनमनतागहगतिष्टिध्यान ॥ २ ॥ मयिः
स्वावाहानमिनमृदसयागवावगयालूयधनधायश्रुगिनिहजन